

इबादत

Email :- denikibadat@rediffmail.com, dainikibadat09@gmail.com www.dainikibadat.blogspot.com

वर्ष-26 ▶ अंक नं.-95 ▶ मंगलवार 13 अप्रैल, 2010 ▶ R.N.I. No.- 26028/73 ▶ Ph.-: 01552-230254, 231007 ▶ प्रातःकालीन ▶ हनुमानगढ़ (राज.) ▶ पृष्ठ-8 ▶ मूल्य-1 रु.

सुर-ताल व लय की बिखरी सुगंध

शास्त्रीय गायिका श्रीमति सुनंदा शर्मा ने दी भाव-विभोर प्रस्तुति



हनुमानगढ़, 12 अप्रैल। शास्त्रीय गायिका श्रीमति सुनंदा शर्मा ने सोमवार को आयोजित कार्यक्रम में संगीत की भीनी सुगंध बिखेरकर श्रोताओं को भाव-विभोर कर दिया। कार्यक्रम का आयोजन सिक मैके की नृत्य श्रृंखला के तहत जलकान स्थित ई-ज्ञान आईटीआई कॉलेज में किया गया। श्रीमति शर्मा ने कार्यक्रम का आरंभ राग जौनपुरी से किया। जिसमें उन्होंने 'मेरे कान भनकता

परी लोरी', मोरी मां, जब आवेंगे लालन मोरे मोदिखा' गये।

उन्होंने अगली कड़ी में टप्पा 'मियां नजरें नहीं आदां वे, मुखड़ा दिखाके दिल ले जादां वे' सुनाते हुए बताया कि पंजाब में ब्याह शादियों में गाए जाने वाले टप्पे में मूल शासकों से उर्दू शब्द शामिल करते हुए शास्त्रीय संगीत की धुमावदार लहरियों का प्रयोग किया जाता है। इसके बाद उन्होंने राग मिश्र देस में गाई

गयी तुमरी 'हे मां कारी बदरिया बरसे, पिया नहीं आए' प्रस्तुत किया। उन्होंने अपने कार्यक्रम का समापन श्रोताओं की मांग पर 'रंग डारुंगी नंद के लालन पे' नामक होरी सुनाकर की। उनके गंभीर और स्पष्ट स्वर ने श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

श्रीमति सुनंदा शर्मा बनारस घराणे की शास्त्रीय गायिका तथा पद्मभूषण श्रीमति गिरिजा देवी की सुयोग्य शिष्य हैं। इस दौरान उन्होंने कहा कि शास्त्रीय संगीत रूढ़ि की चीज है, व इसे रूढ़ से ही महसूस किया जा सकता है। कार्यक्रम में तबले पर उनका साथ सतिदास, हारमोनियम पर जमीर खान व गायनप में सुश्री तुषि शर्मा ने दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलित कर किया गया।

प्रधानमंत्री ने जन्मी श्रीमति सुनंदा शर्मा के प्रथम गुरु उनके पिता सुदर्शन शर्मा हैं। उनके अनुसार लगन, समर्पण, धैर्य, उचित गुरु के द्वारा ही संगीत के क्षेत्र में कदम रखना चाहिए।

श्रीमति शर्मा का कहना है कि शास्त्रीय संगीत का दूसरा हिस्सा उपशास्त्रीय संगीत है। उपशास्त्रीय संगीत एक गुलदस्ता है, जिसकी गायकी में हमें थोड़ी छूट मिल जाती है। जीवन में संगीत के आ जाने से दुष्टियां समाप्त होने लगती हैं।

बनारस घराणे की गायिका सुनंदा शर्मा ने खयाल और पूरव अंग की तुमरी, कजरी, चैती, टप्पा आदि को गाने में अपना नाम जोड़ा है।

कार्यक्रम के अंत में ई-ज्ञान आईटीआई कॉलेज के संचालक हितेश शर्मा ने सिक मैके व कलाकारों का आभार व्यक्त किया। सिक मैके, हनुमानगढ़ के संरक्षक कर्नल राजेन्द्र शर्मा ने बताया कि सिक मैके के माध्यम से ही आमजन ऐसे उच्चकोटि के कलाकारों से रूबरू हो सकते हैं। मंच का संचालन रजनी बब्बर ने किया।

गर्मी के तेवर तीखे

टिब्बी, 12 अप्रैल।

सूर्यदेव के रौद्र रूप के साथ ही गर्मी ने अपने तेवर दिखाने शुरू कर दिये हैं। दिन में धूल भरी



आंधी व लू के चलते जन जीवन प्रभावित हो रहा है। दिन-ब-दिन बढ़ते तापमान से लोगों की

परेशानियां बढ़ गई हैं। सुबह-अंधेरे ही किसान अपने खेतों में पहुँचकर अपने कृषि कार्यों को धूप बढ़ने से पहले ही खत्म करने में जुट हुए हैं। गर्मी को देखते हुए किसान नरमे व कपास की बुवाई की तैयारियों में जुट गये हैं। गर्मी के बढ़ते प्रकोप से दोपहर में बाजार एवं गलियां सुनी होनी लगी हैं। तेज गर्मी के कारण पशु-पक्षियों पर भी प्रतिकूल असर पड़ रहा है।

पंचायतवार फूड

स्टेम्पस वितरित करें

: डॉ. रवि एस.

हनुमानगढ़, 12 अप्रैल। जिला कलक्टर डॉ. रवि कुमार एस. ने बताया कि कोई भी व्यक्ति भ्रुमरी का शिकार नहीं हो, इस उद्देश्य से राज्य सरकार द्वारा "फूड स्टेम्प योजना" प्रारम्भ की गई है। यह फूड स्टेम्प जिले में ग्राम पंचायतों को पहले की तरह वितरित किये जाने हैं ताकि योजना प्रभावी हो सके। उन्होंने जिला रसद अधिकारी को निर्देश दिए हैं कि जिले में पंचायतवार विभाग से फूड स्टेम्प प्राप्त कर प्रत्येक पंचायत को आगामी 20 अप्रैल तक आवश्यक रूप से वितरित कर दिया जाए।

गोगामेडी के विकास पर 75 लाख होंगे खर्च

हनुमानगढ़, 12 अप्रैल। जिले की नोहर तहसील के गोगामेडी मन्दिर के विकास एवं उसकी आधारभूत सेवाओं की संरचना के खात जिला कलक्टर डॉ. रवि कुमार एस. की अध्यक्षता में गोगामेडी में आज बैठक आयोजित की गई। यह बैठक मुख्यमन्त्री की बजट घोषणा वर्ष 2010-2011 की क्रियान्वयन के समन्वय में आयोजित की गई थी, इसका मुख्य उद्देश्य गोगामेडी में यात्रियों के लिये आधारभूत सुविधा विकसित करना है। बैठक में गोगामेडी परिसर में श्रद्धालुओं के लिए पेयजल भण्डारण, डिगमियों आदि के निर्माण, स्थायी बैरिकेडिंग, समुचित प्रकाश व्यवस्था के लिए हाई मास्ट लगाने, सफाई व्यवस्था के लिए कचरा पात्र, महिला एवं पुरुष के लिए अलग-अलग शौचालय ब्लॉकों का निर्माण, पुराने शौचालयों का जर्गीकरण तथा वाहनों के पार्किंग स्थान की फैसिंग आदि सभी कार्यों के लिए लगभग 75 लाख रुपये व्यय करने के बारे में चर्चा की गई

तथा निर्णय लिया गया। जिला कलक्टर ने सभी सम्बन्धित विभागों के अधिकारियों को कार्यों के एस्टीमेट बनाकर प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। बैठक में उप जिला कलक्टर, पंचायत समिति नोहर के प्रधान, गोगामेडी ग्राम पंचायत की सरपंच सहित पीडब्ल्यूडी, जलदाय, विद्युत, पर्यटन, देवस्थान विभाग आदि विभागों के अधिकारियों ने भाग लिया।

हथकढ़ सहित महिला पकड़ी

पीलीबंगा, 12 अप्रैल। हथकढ़ शराब बनाने और इसे आगे बेचने के धंधे में संलिप्त एक महिला को पुलिस ने गिरफ्तार करते हुए उसके पास से हथकढ़ शराब बरामद की है। गिरफ्तार महिला अहमदपुरा की रहने वाली हैं।

थाने के सहायक उपनिरीक्षक रामप्रताप ने गस्त के दौरान अहमदपुरा गांव से नौ नौ पत्नी भगतसिंह चावरी को गिरफ्तार किया। उसके पास दोलकी में पाँच लीटर हथकढ़ शराब छिपाकर रखी हुई मिली।

घग्घर पुल के निर्माण की प्रक्रिया शुरू

टिब्बी, 12 अप्रैल। टिब्बी-संगरिया मार्ग पर स्थित बहु प्रतिक्षित घग्घर नदी के पुल के निर्माण की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। जेसोबी मशीन से पुराने पुल को तोड़ने का काम जारी है। सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधिकारियों के अनुसार सप्ताह भर में पुल निर्माण का कार्य शुरू हो जायेगा। इस पुल के निर्माण के लिए क्षेत्रीय विधायक डॉ. परम नवदीप की अनुशंसा पर राज्य सरकार ने करीब नौ करोड़ की राशि स्वीकृत की है।

सा.नि.वि. के सहायक अभियंता आर.के. यादव ने बताया कि जोड़ोसी के इस पुल के नव निर्माण के लिए 8 करोड़ 45 लाख रुपये में टेंडर हुआ है। यह पुल 15 माह में बनकर तैयार हो जायेगा।

दो लेन के बनने वाले इस पुल के कार्य समाप्त होने की अंतिम तिथि 7 जुलाई 2011 है। गौरतलब है कि वर्षों पूर्व बने इस पुल को बुर्जियों में वर्ष 2005, फरवरी में दरारें आने लगी थी और इसी के चलते प्रशासन ने इस पुल पर से आवागमन पूर्णतया बंद करवा दिया था।

जनता में खुशी की लहर : पाँच साल से भी अधिक समय से क्षतिग्रस्त इस पुल से आवागमन पूर्णतया बंद है लेकिन अब पुल निर्माण की प्रक्रिया शुरू होने से क्षेत्र के वाशियों में खुशी का माहौल है। क्योंकि क्षतिग्रस्त पुल के कारण क्षेत्र के

दर्जनों गांवों का सम्पर्क यहां के टिब्बी मुख्यालय से टूट चुका था। ईतबार की घड़िया खत्म हो चुकी हैं और पुल निर्माण की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है।

पुराने पुल को तोड़ने का कार्य जारी : क्षतिग्रस्त घग्घर पुल को तोड़ने का कार्य जारी है। जेसोबी मशीन द्वारा पुराने बने पुल को पिछले शनिवार से तोड़ने का कार्य शुरू हो चुका है।

पुराने पुल को पूरी तरह से तोड़ने के बाद ही निर्माण को आगामी प्रक्रिया शुरू हो पायेगी। सार्वजनिक के अधिकारों व टेकदार मौके पर व्यवस्थाओं को सम्भाले हुए हैं। यहां के नागरिक भी पुल निर्माण की प्रक्रिया को देखने के लिए उमड़ रहे हैं।

प्रधान ने लिया जायजा : नव सृजित पंचायत समिति प्रधान भूपसिंह मेघवाल ने सोमवार को पुल टिब्बी-संगरिया मार्ग



टिब्बी। संगरिया मार्ग पर स्थित घग्घर पुल के नवनिर्माण हेतु पुराने पुल को तोड़ते हुए।

के क्षतिग्रस्त पुल पर जाकर पुल निर्माण की प्रक्रिया का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि घग्घर पुल निर्माण होने से क्षेत्र की जनता को राहत मिलेगी तथा टिब्बी क्षेत्र के विकास में यह पुल निर्मित होने के बाद मौल का पत्थर साबित होगा। इस मौके पर लुकमान खां जोरिया, सुमेर सिंह, महाले खां, गोबिंद शर्मा, बनवारी खां आदि साथ थे।